an>

title: Combined discussion on the Budget (General) for 2015-2016; Demands for Grants on Account (General) for 2015-2016 and Supplementary Demands for Grants in respect of Budget (General) for 2014-15.

HON. SPEAKER: We are now taking up item nos. 14 to 16 together for discussion. Motions moved:

> "That the respective sums not exceeding the amounts on Revenue Account and Capital Account shown in the third column of the Order Paper, be granted to the President out of the Consolidated Fund of India, on account, for or towards defraying the charges during the year ending the 31st day of March, 2016 in respect of the heads of demands entered in the second column thereof against Demand Nos. 1 to 35, 37, 38, 40 to 64, 66 to 73, 75 to 77, 79, 80 and 82 to 109."

HON. SPEAKER: Motion moved:

"That the respective supplementary sums not exceeding the amounts on Revenue Account and Capital Account shown in the third column of the Order Paper, be granted to the President out of the Consolidated Fund of India to defray the charges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 2015 in respect of the heads of demands entered in the second column thereof against Demand Nos. 1 to 4, 9 to 15, 17, 19, 20, 22 to 27, 31 to 34, 37, 40, 42 to 44, 46 to 48, 51, 53 to 56, 58 to 63, 66 to 68, 73, 75 to 77, 80, 83, 86 to 99, 101 to 103 and 106."

HON. SPEAKER: Shri Jayant Sinha

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री **(**श्री जयंत सिन्हा**):** अध्यक्ष महोदया, बजट सत्र चल रहा है और बजट सत्र में सरकार की तरफ से हम लोग चार बहुत महत्वपूर्ण डाकूमैन्ट्स पेश करते हैं। पहला राष्ट्रपति जी का अभिभाषण था, उसके बाद रेलवे बजट आया, रेलवे बजट के बाद इकोनोमिक सर्वे और फिर अंत में जनरल बजट 28 फरवरी को माननीय वित्त मंत्री जी ने पेश किया। अगर हम इन चारों डाकूमैन्ट्स को देखें तो जो सरकार की विचारधारा है, सरकार की जो सोच है, सरकार का जो लक्ष्य है, इन डाकूमैन्ट्स से एकदम स्पष्ट नजर आता है और सरकार की क्या विचारधारा है, सरकार की विचारधारा है - सबका साथ, सबका विकास, यह है हमारी विचारधारा। हम लोगों ने जो बजट पेश किया है, वह बजट सबका बजट है और देश के हर वर्ग को, देश के हर स्टेक होल्डर को इस बजट से लाभ मिला है। अब मैं इस बजट के बारे में कुछ संक्षेप में बोलना चाहता हूं, उसके बाद इस पर बहस और चर्चा चालू होगी। मैं बहस में जो बोलना चाहता हूं, मैं तीन बिन्दुओं पर प्रकाश डालूंगा। पहले बिन्दु पर मैं प्रकाश डालना चाहता हूं कि हमें विरासत में जो आर्थिक समस्या मिली, उसे हम लोगों ने किस प्रकार से संभाला।...(व्यवधान) तत्पश्चात् मैं दूसरे बिन्दु पर प्रकाश डालना चाहूंगा कि हम लोग किस प्रकार से क्रांतिकारी परिवर्तन देश के फिस्कल आर्किटैक्चर में लाये हैं। वह हम लोग किस प्रकार से लाये हैं। अगर माननीय सदस्य मुझे मौका दें तो मैं देश को भी यह समझाने की कोशिश करूंगा कि इस बजट के माध्यम से जो क्रांतिकारी परिवर्तन हम लोग लाये हैं, उस पर उन्हें भी ध्यान देना चाहिए।

तीसरी चीज जिस पर मैं प्रकाश डालना चाहूंगा, वह यह है कि युवाओं के रोजगार के लिए इस बजट के माध्यम से हम लोग क्या-क्या परिवर्तन लाये हैं। पहली बात यह है कि मैं आप लोगो को समझाना चाहता हूं कि जो आर्थिक समस्या हमें विरासत में मिली, उस विषय पर हम लोगों ने किस प्रकार से देश के आर्थिक हालातों को संभाला और उसे अच्छी तरीके से आगे बढ़ाया है। ...(व्यवधान)

12.23 hrs

At this stage, Shri Ravneet Singh and some other hon'ble Members came and stood on the floor near the Table.

पहली बात यह है कि अगर हम लोग आर्थिक समस्या को समझने की कोशिश करे तो हमें यह समझना चाहिए कि सरकार किस प्रकार से घाटे में चल रही थी। जब हम फिस्कल डेफिसिट की बात करते हैं तो हम नम्बरों का प्रयोग करते हैं, हम कहते हैं कि 4.1 परसैन्ट फिस्कल डेफिसिट जो बहुत मुश्किल था, उसे हम लोगों ने पूरी तरीके से 4.1 करके देश को दिखाया और सबको बताया कि जो हमारा फिस्कल मैनेजमैन्ट है, उसका हम लोगों ने आप लोगों को बहुत अच्छा उदाहरण दिया है।...(व्यवधान) परंतु अगर हम 4.1 परसैन्ट फिस्कल डेफिसिट देखें तो हमें पूरी तरीके से समझ में नहीं आता है कि सरकार विरासत में कितने घाटे में चल रही थी, क्योंकि हमें समझना चाहिए कि सरकार के खर्च करीब 17 लाख करोड़ हैं, परंतु सरकार की कमाई सिर्फ 11.3 लाख करोड़ है, यानी हर साल सरकार को 5.1 लाख करोड़ की बोरोविंग्स करनी पड़ती है। चूंकि सरकार इतने घाटे में चल रही है और इतनी हमें बोरोविंग्स करनी पड़ रही हैं, इस कारण अगर हम देखें तो जो हमारा घाटा है, वह आज के समय 45 परसैन्ट ऑफ रेवेन्यू कलैक्शन है। यह एक बहुत बड़ी समस्या थी, जिसे हम लोगों ने संभाला और 4.1 परसैन्ट फिस्कल डेफिसिट जो बहुत बड़ी चुनौती हमारे सामने है, वह हम लोगों ने दिखाया कि हम लोगों का फिस्कल मैनेजमैन्ट कितने बढ़िया तरीके से हो सकता है। इसको हम लोगों ने संभाला है। ...(व्यवधान) दूसरी चीज जो हम लोग संभाल रहे हैं, जैसे माननीय सदस्यों ने कहा था कि अभी एन.पी.ए. ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ऐसा नहीं होता है, Please go back to your seats. वित्त मंत्री जी ने मुझे पत्र भेजा है। He has informed me. I have allowed him.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** वे वित्त राज्य मंत्री हैं, ऐसा नहीं है कि कोई बाहर से आए हुए व्यक्ति हैं। बाद में वे रहेंगे, आज हम केवल बजट पर चर्चा शुरू कर रहे हैं, ये पूरा नोटिंग करेंगे, ऐसा होता है, I have allowed him. I am sorry, no.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): This is a national Budget and the Finance Minister has to be present...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** वे आएंगे, ऐसा नहीं है कि वे वहीं रहेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री जयंत सिन्हा **:** मैडम, दूसरी समस्या एन.पी.ए. की है और जैसे मैं पृष्न काल में भी माननीय सदस्य को समझा रहा था कि जब हम लोग आए तो करीब 1400 स्टॉल्ड प्रोजेक्ट्स थे। ...(व्यवधान) जिनको हम लोगों ने नियंत्रण में ला कर कई प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया है और इसको भी हम लोग संभालते हुए, अपने बैंकिंग सिस्टम को हम लोग मजबूत बना रहे हैं और उसको आगे ले जा रहे हैं। ...(व्यवधान) तीसरी समस्या यह रही है कि रोज़गार नहीं थे और रोज़गार को बढ़ाने के लिए हम लोग इस इस बजट में नीतियां लाए हैं, उससे हमको लगता है कि रोज़गार को हम लोग बहुत आगे बढ़ा पाएंगे। ...(व्यवधान) ये सब जो आर्थिक समस्याएं थी, उनको हम लोगों ने पिछले आठ-नौ महीने में, जब से हमारी सरकार बनी है, तब से संभाल कर, दुनिया भर में और देश भर में जो निवेशक हैं, जो उद्योगपति हैं, उन्हें हम लोगों ने भरोसा और विश्वास दिया है कि हम सरकार बहुत अच्छी तरह से चला सकते हैं।...(व्यवधान) अगर आज के समय जो निवेश आ रहे हैं, देश से आ रहे हैं या विदेश से आ रहे हैं और शेयर बाजार में जो बढ़ोत्तरी हुई है, वह इसलिए हुई है, क्योंकि हम लोगों ने एक बार फिर विश्वास बना दिया है। ...(व्यवधान)

अब मैं दूसरे बिंदु पर प्रकाश डालना चाहूंगा कि 14वें वित्त आयोग का जो डैवेलुशन था और जीएसटी के माध्यम से किस प्रकार से देश के फिसकल आर्किटेक्चर पर हम लोगों ने एक बहुत क्रांतिकारी कदम उठाया है। ...(व्यवधान) वह यह है कि देश में हम लोगों ने किस प्रकार से एक क्रांतिकारी परिवर्तन फिसकल आर्किटेक्चर में लाए है। ...(व्यवधान) मैं माननीय सदस्यों को यह समझाना चाहता हूँ कि 14वें वित्त आयोग के पहले राज्यों को जो डैवेलुशन हुआ करता था, वह 32 प्रतिशत था ...(व्यवधान) इस बार 14वें वित्त आयोग ने कहा कि हम लोग इसको 42 प्रतिशत करें। ...(व्यवधान) अगर हम लोग इसको 42 प्रतिशत करेंगे तो 1.8 लाख करोड़ रूपये जो पहले केंद्र को मिलता था, वह हम लोगों ने राज्यों को दिया है। हम लोगों ने राज्यों को इसलिए दिया है, क्योंकि हम लोग कोऑपरेटिव फैडरलिज्म में विश्वास करते हैं। ...(व्यवधान) हम लोग टीम इंडिया में विश्वास करते हैं। ...(व्यवधान) जैसे आज के समय टीम इंडिया वर्ल्ड कप में खेल रही है, उसी प्रकार से टीम इंडिया जो हमारे देश में है, उसे भी दुनिया के वर्ल्ड कप में खेलना है और जीतना है। ...(व्यवधान) इसलिए हमने टीम इंडिया को बनाया, कोऑपरेटिव फैडरलिज्म को बनाया और इस प्रकार से हम लोगों ने बहुत क्रांतिकारी चीज़ की है। ...(व्यवधान) अंतिम बिंदु, जिस पर मैं प्रकाश डालना चाहता हूँ कि हम लोगों ने युवाओं के रोज़गार के लिए क्या-क्या महत्वपूर्ण नीतियां अपनाई हैं। ...(व्यवधान) महोदया, यह युवाओं का बजट है। ...(व्यवधान) युवाओं के लिए हम लोग इसमें बहुत महत्वपूर्ण नीतियां लाए हैं, जिसमें से दो पर मैं विशेष रूप से बताना चाहूंगा। ...(व्यवधान) पहली बात तो यह है कि हम लोगों ने स्किल इंडिया पर बहुत ध्यान दिया है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned till 12.45 p.m.

12.29 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Forty-Five Minutes

past Twelve of the Clock.

12.45 hrs

The Lok Sabha reassembled at Forty-Five Minutes

past Twelve of the Clock.

*(*Hon. Speaker *in the Chair)*